Date
09/05/2020

TEACHING OF SCIENCE

Topic - रक्त

D.El.Ed. IVth Sem

Period - Ist

रुधिर वर्ग (Blood Group) ⇒

आप जानते है कि अपने सगे सम्बन्धी के दुर्घटना की सूचना पाकर तुरन्त लोग देखने एवं सहायता हेतु दौड़ पड़ते है। यहाँ तक कि अपना रक्त भी देने के लिये तैयार हो जाते है।

इस सम्बन्ध में सबसे पहले कार्ल लैण्डस्टीनर (1868-1943) नामक वैज्ञानिक की खोज के फलस्वरूप पता चला कि रुधिर देने वाला व रुधिर लेने वाला व्यक्ति का रक्त वर्ग समान होना चाहिये यदि दोनो के रुधिर वर्ग समान नही है तो रक्त देने वाला (दाता) का रक्त लेने वाले (ग्राही) के रक्त में पहुँचकर रुधिर का थक्का बना देता है। जिससे रुधिर प्रवाह रुक जाता है। इससे रोगी की मृत्यु भी हो सकती है।

शरीर में रुधिर के महत्वपूर्ण कार्य है ⇒

1 ⇒ रुधिर ऑक्सीजन तथा कार्बन डाई आक्साइड का परिवहन करता है।

2 ⇒ रुधिर पोषक पदार्थो तथा उत्सर्जी पदार्थो का परिवहन करता है।

3 ⇒ घाव भरने में सहायता करता है।

Scanned with CamScanner

4⇒ रोधर को जमाकर बहार करने से रोकता है।

5⇒ बहार से आये जीवाणुओ एवं विषाणुओ से श्वेत रोधर कोणिकाओ द्वारा शरीर की रक्षा करता है। रोगो से बचाव करता है।

रोधर का जमना तथा इसके लाभ⇒

शरीर के किसी भी अंग के कट जाने पर रोधर बहने लगता है। रक्त नलिकाओ के कट जाने से रोधर बहार निकलकर बहने लगता है। बहता रक्त थोड़े समय बाद गाढ़ा होने लगता है और अन्त में एक परत की तरह कट स्थान के ऊपर जम जाता है। परन्तु दुर्घटना की स्थिति में जब रक्त का बहाव ज्यादा होता है तथा रोधर जमने की प्रक्रिया नही हो पाती है। जिससे निरन्तर रक्त बहने की स्थिती में मृत्यु की सम्भावना बढ़ जाती है।

Comment

9/5/2020